श्याम से बंधन | by Pankaj Sharma

श्याम तुम्हारा नाम है जब तक मेरे साथ
मेरे सिर पर सदा रहे मेरे श्याम धणी का हाथ
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

हारे का जो बने सहारा श्याम धणी दातार है
तेरे टुकड़ो पर ही तो पलता मेरा परिवार है
तेरे बिन कोई और मिला ना जो दे मेरा साथ
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

जब जब मैंने तुझे पुकारा दौड़ा दौड़ा आया है
दु:ख में सुख में श्याम धणी ने मेरा साथ निभाया है
तेरे दर के बिना ना कोई सुनता मेरी बात
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

रींगस से लेकर निशान मैं खाटू धाम पे जाऊँगा
बैठ तेरे चरणों में बाबा तुझको भजन सुनाऊंगा
शर्मा की ये प्रथम हाज़िरी, पंकज की ये प्रथम हाज़िरी कर लेना स्वीकार
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना
ये बंधन छूटे ना ये रिश्ता टूटे ना

https://bhaktivandana.com/lyrics/shyam-se-bandhan-by-pankaj-sharma/